>

Title: Regarding Bansagar Project in Madhya Pradesh.

श्री कामेश्वर बैठा (पलामू): सभापति महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे शून्य काल में देश के सवाल पर, राष्ट्र के सवाल पर और अपने संसदीय क्षेत्र के सवाल पर बोलने का मौका दिया। मैं आज जो भी कहने जा रहा हूं, वह दुख के साथ कह रहा हूं। वर्ष 1973 में कदवन जलाशय परियोजना जिसे आज इन्द्रपुरी जलाशय योजना के नाम से जाना जाता है, उसका शिलान्यास किया गया था, उसकी आधारशिला रखी गयी थी।

माननीय सिंचाई मंत्री भारत सरकार द्वारा दिनांक 3.3.1982 को उच्चस्तरीय बैठक कर यहां कदवन जलाशय का डैम और बराज बनाने का निर्णय लिया था। 17 जून, 1989 को बिहार एवं उत्तर प्रदेश सरकार ने समझौता करके इसके निर्माण का निर्णय लिया था। वर्ष 1990 में डा0 जगन्नाथ मिश्र द्वारा इसका शिलान्यास किया गया था। वर्ष 1989 में केंद्रीय जल आयोग द्वारा DPR (डीपीआर) समर्पित किया गया। जिसमें उक्त जलाशय पर व्यय 533 करोड़ 26 लाख, जल विद्युत उत्पादन पर व्यय 577 करोड़ 78 लाख रूपए, कुल व्यय 1111 करोड़ 14 लाख यानी एक हजार एक सौ ग्यारह करोड़ चौदह लाख रूपए की प्रस्तावित जलाशय योजना के अंतर्गत 3895 मीटर लंबा एवं 40 मीटर ऊंचा डैम बनाने का प्रस्ताव था। डैम के दाहिने छोर में झारखंड का गढ़वा जिला और बायें छोर में बिहार का रोहतास यानी मटियांवन है। इस योजना का डूब क्षेत्र, बिहार, झारखंड तथा उत्तर प्रदेश सम्मिलित होने के कारण इसमें तीनों राज्यों की सहमति आवश्यक थी। प्रस्तावित डैम में उच्चतम जलस्तर 175 मीटर होने के कारण उत्तर प्रदेश का ओबरा डैम का हाइडल पॉवर हाउस का टेल रेस जलस्तर प्रभावित होने एवं चोपन नहर एवं रेलवे पुल डूबने की आशंका उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जतायी गयी थी।

महोदय, मैं दुख के साथ कहता हूं कि मौखिक रूप से इस डैम पर जलाशय पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आरोप लगाया गया था कि ओबरा पॉवर प्लांट और रेलवे ईस्ट डूबेगा, यह मौखिक आरोप लगाया गया था। जिसमें विगत चार वर्षों में नोडल कार्यालय के पदाधिकारी द्वारा भारतीय सर्वेक्षण विभाग से अनुरोध के बावजूद भी सर्वे आफ इंडिया द्वारा सर्वेक्षण कार्य आज तक पूरा नहीं किया गया। सर्वेक्षण कार्य के पश्चात् ही परियोजना की स्वीकृति एवं कार्यान्वयन के संबंध में इसके अंतर्गत निर्माण की कार्रवाई की जा सकती थी।

उल्लेखनीय है कि बाणसागर एवं रेहंड जलाशय परियोजना बन जाने के फलस्वरूप इंद्रपुरी बराज को आवश्यकतानुसार बाणसागर एकरारनामा के अनुरूप पानी नहीं मिल पाता है।

सभापति महोदय : कामेश्वर जी, आप बाणसागर प्रोजेक्टर बनवाना चाहते हैं न।

श्री कामेश्वर बैठा : जलाशय का पानी मिलना चाह रहा था, उसमें आरोप लगाया गया था कि यह डूब जाएगा, लेकिन बिहार सरकार, उत्तर प्रदेश और उस समय झारखंड व बिहार एक थे, मैं झारखंड का ही सवाल उठा रहा हूं। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : कामेश्वर बैठा जी, आप बहुत अच्छा बोल रहे हैं, लेकिन मैं यह चाहता हूं कि पिन प्वाइंटेड जो बात कहना चाहते हैं, वह कह दें, ताकि वह प्रोसीडिंग में आ जाए और आपको उस काम को कराने में सुविधा हो। आप बहुत लंबा-चौड़ा भाषण देंगे, तो उससे यहां कोई फायदा नहीं होगा।

श्री कामेश्वर बैठा : महोदय, मैं इस सदन के माध्यम से सरकार से यह मांग करना चाहता हूं कि भारत सरकार सर्वे आफ इंडिया, सर्वेक्षण का प्रतिवेदन तुंत केंद्रीय जल आयोग नई दिल्ली को समर्पित किया जाए। यह नंबर एक मांग है ताकि शीघ्र कदवन जलाशय योजना के निर्माण की कार्रवाई शुरू हो जाये ।

दूसरा, सर्वे ऑफ इंडिया के द्वारा अब तक किए गये सर्वेक्षण कार्य का अद्यतन विस्तृत प्रगति प्रतिवेदन की मांग की जाए।

सभापति महोदय : आप सभी बिन्दु लिख कर माननीय मंत्री जी को दे दीजिए।

श्री कामेश्वर बैठा : महोदय, इसे पढ़ लेने दिया जाए ताकि देश की जनता यह जान जाए कि किन कारणों से यह जलाशय या बैराज अभी तक नहीं बन पाया है। महोदय, आपसे निवेदन है कि ये जो चार बिन्दु है इसे पढ़ लेने दिया जाए।

तीसरा, सर्वेक्षण कार्य पर अब तक किये गये भूगतान के विरूद्ध उपयोगिता प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने हेतु सर्वे ऑफ इंडिया को निर्देश दिया जाए।

चौथा, शेष बचे सर्वेक्षण कार्य का समयबद्ध कार्यक्रम सर्वे ऑफ इंडिया भारत सरकार से सुनिश्चित कराया जाए। इस संबंध में सर्वे ऑफ इंडिया, बी.एच.पी.सी., जल संसाधन विभाग झारखंड सरकार एवं जल संसाधन विभाग बिहार सरकार की बैठक पटना में की जाए। क्योंकि सर्वे ऑफ इंडिया का क्षेत्रीय कार्यालय आज भी पटना में है।

हमें दुख के साथ बोलना पड़ रहा है कि अभी 40 लाख रूपया सर्वे के लिए दिया गया था लेकिन अभी तक सर्वे नहीं किया गया। आज अगर सर्वे हो जाता है, मौखिक रूप से इस पर आपति जताई जा रही है कि हमारा डैम वगैरह डूब रहा है। इसको सर्वे करने के बाद फाइनल कर दिया जाए, और तुंत बैराज में काम लगाया जाए।

सभापति महोदय ः मैंने आपको जो रास्ता बताया आप उस रास्ते को अपनाइए। आपने बहुत अच्छा बोला। मैंने आपको पूरा टाइम दिया। बैठ जाइए।